aglasem.com

Rajasthan Board

QUESTION PAPER

नामांक Roll No.

No. of Questions – 3
No. of Printed Pages – 8

SS-32-SH.HD. (Hindi)

हिन्दी शीघ्रलिपि (SHORTHAND HINDI)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022

समय : 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।

(3) प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में 5-5 मिनट का मध्यान्तर दिया जाये । तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए 2¼ घंटे का समय दिया जाए ।

OFFICE COPY

(4) केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएँ :

पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।

(5) संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र/कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाए । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।

(6) संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।

(7) संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।

(8) खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 70 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

प्रथम खण्ड

(इसे 70 शब्द प्रति मिनट की गति से लिखा जाए ।)

संकेत लिपि – 2
टंकण लिपि – 8
कुल अंक – 10

मध्य-प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड
(राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान परिसर, जबलपुर)

क्रमांक : प 8//(5) प.आ./शीघ्रलिपिक/2021/71 ¼

दिनांक : 14 दिसंबर, 2021

– विज्ञप्ति/ – ½

बोर्ड द्वारा शीघ्रलिपिक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020 के अतिरिक्त परीक्षा परिणाम दिनांक 23.11./2021 में सफल हुए अभ्यार्थियों की फेज-II की परीक्षा "अंग्रेजी/हिन्दी आशुलिपि" ¾
परीक्षण दिनांक// 11.01.22 से दिनांक 13.01.2022 तक ऑनलाइन आयोजित की जा रही 1
/ है । 1¼

इन पदों की भर्ती हेतु जारी विज्ञप्ति सं.प. 14(68) अर्थना/शी.लि./ भर्ती/2020/117 1½
दि. 4.7.2020 में अंग्रेजी/हिन्दी प्रतिलेखन एवं / टंकण हेतु अभ्यार्थी द्वारा स्वयं का कम्प्यूटर लाने 1¾
हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु व्यावहारिक एवं एकरूपता // बनाए रखने की दृष्टि से अभ्यार्थी 2
को परीक्षा में बोर्ड द्वारा कम्प्यूटर उपलब्ध कराया जायेगा । जिसके लिए / अभ्यार्थी से श्रेणीवार 2¼
निम्नानुसार कम्प्यूटर व परीक्षा शुल्क लिया जायेगा :

(क) सामान्य वर्ग के अभ्यार्थी व / अन्य पिछड़ा वर्ग / अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यार्थी व अन्य 2½
पिछड़ा वर्ग की / श्रेणी के अभ्यार्थी हेतु – 450/= रु. 2¾

(ख) मध्य-प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग // व अन्य पिछड़ा वर्ग / अति पिछड़ा वर्ग की श्रेणी के अभ्यार्थी हेतु – 350/= रु. 3

(ग) /समस्त विशेष योग्यजन तथा प्रदेश के अनुसूचित व जनजाति के लिए 250/= रु. 3¼

अभ्यार्थी द्वारा अंग्रेजी / हिन्दी आशुलिपि परीक्षण हेतु उपरोक्तानुसार कम्प्यूटर एवं परीक्षा 3½

शुल्क ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से उपलब्ध स्टेनोग्राफर / संयुक्त सीधी परीक्षा 2020 के प्रवेश- 3¾

पत्र विभाग में जाकर ऑनलाइन जमा कराया जा सकता है ।

सचिव // 4

OFFICE COPY

द्वितीय खण्ड

(इसे 70 शब्द प्रति मिनट से लिखा जाए ।)

शीघ्र लिपि – 2
टंकण लिपि – 8
कुल अंक – 10

उत्तर प्रदेश सरकार

(स्वायत्त शासन विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ)

क्रमांक : एफ/20/115

दिनांक / - 08 दिसम्बर, 2020 ¼

आयुक्त / अधिशाषी अधिकारी,

नगर निगम / परिषद् / पालिका /

समस्त उत्तर / प्रदेश /

½

विषय : खुले में शोच से मुक्त (ओ डी एफ) की निरंतरता को बनाए रखने एवं / मॉनिटरिंग की व्यवस्था हेतु । ¾

प्रसंग : विभागीय पूर्व समसख्यंक पत्रांक 493 – 705 दिनांक 25.11.2020 एवं श्रीमान् मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 06.11.2020 को विभागीय / समीक्षा के दौरान दिए गए दिशा निर्देशों की पालना में / 1 1¼

उपरोक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र के क्रम में / लेख है कि श्रीमान् मुख्य सचिव द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की प्रगति की समीक्षा के दौरान / खुले में शोच से मुक्त शहर के क्रम में निर्देश दिए गए कि प्रोटोकॉल की पालना करते हुए आयुक्त // । अधिशाषी अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि आवश्यक मात्रा में घरेलू / सामुदायिक / सार्वजनिक शोचालयों का निमार्ण एवं / सामुदायिक / सार्वजनिक शोचालयों का संचालन एवं रख-रखाव की समुचित व्यवस्था व यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी / व्यक्ति खुले में शोच करता हुआ नहीं पाया जाय / कच्ची बस्तियों के आस-पास 1½ 1¾ 2 2¼ 2½

व्यवस्था को / और अधिक माकूल बनाई जावें । ओ.डी. पाईन्ट अगर कोई हो तो उनको चिह्नित 2¼
करते हुए वहाँ // पर शोचालय की व्यवस्था एवं रेल-पटरियों के आस-पास के क्षेत्रों में पेट्रोलिंग 3
की व्यवस्था सुनिश्चित / करते हुए श्रीमान् मुख्य सचिव द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में कच्ची 3¼
बस्तियों एवं रेल पटरियों के / आस-पास कोई भी व्यक्ति खुले में शोच करता हुआ नहीं दिखे इस 3½
हेतु सम्बन्धित अधिकारी की / ड्यूटी पर जाने हेतु निर्देशित किया गया था । 3¾

OFFICE COPY

मॉडल शहर के रूप में लखनऊ शहर के लखनऊ // जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास का क्षेत्र, 4
कच्ची बस्तियाँ अन्य कच्ची बस्ती का चयन कर उनकी / संघन मॉनिटरिंग करते हुए शहर को 4¼
पूर्णतया खुले में शोच से मुक्त बनाए जाने की पालना रिपोर्ट निदेशालय / को भिजवाया जाना 4½
सुनिश्चित करावें ।

सही

दीनदयाल

निदेशक एवं विशिष्ट सचिव

दिनांक : 08.12/.2020 4¾

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित : –

उप-सचिव, मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश, लखनऊ : // 5

तृतीय खण्ड

(इसे 70 शब्द प्रति मिनट की गति से लिखा जाए ।)

शीघ्र लिपि – 4
टंकण लिपि – 16
कुल अंक – 20

सदियों से है मुखौटा–अब मास्क संस्कृति बनाने का समय

2020 खत्म होते–होते पूरी दुनिया में / सबके व्यवहार में एक बदलाव आ गया है कि हम ¼
मास्क के आदी हो गए हैं । / ये जुर्माने के डर से ही हो या अपने बचाव के उद्देश्य से, सार्वजनिक ½
जगहों पर मास्क / पहनना जीवन का एक हिस्सा बन चुका है । कोविड के प्रकोप के कारण दुनिया ¾
के अधिकांश लोग // अब मास्क पहन रहे हैं । वेक्सीन आने पर क्या बदलाव होगा, कहा नहीं जा 1
सकता । पर / अभी कुछ समय तक तो मास्क पहनना ही पड़ेगा । मुखौटे सदियों से मानव इतिहास 1¼
व संस्कृति का / हिस्सा रहे हैं । दुनिया भर के धार्मिक अनुष्ठानों, समारोहों में इनका प्रयोग होता रहा 1½
है । / प्राचीनतम मुखौटा नौ हजार साल पुराना है, यह पेरिस के बाइबिल एवं हौली लैंड म्यूजियम में 1¾
प्रदर्शित // है । मुखौटे मानव सभ्यता की गहराइयों में है । इसे पहनने वाले की अलग–अलग भूमिका व 2
पहचान / रही है । आज भी रंगमंच, कार्निवल व नृत्यों में इनका प्रयोग होता है । 2¼

लोग स्वास्थ्य / के क्षेत्र में मास्क के प्रयोग का इतिहास पुराना नहीं है । 17वीं सदी में यूरोप 4½
में / प्लेग से फैली संड़ाध को कम करने के लिए मुँह–नाक ढका जाता था और डॉक्टर्स चोंचुमा // 2¾
सुंगधित मास्क पहनते थे । जैसे–जैसे संक्रमण की समझ विकसित होती गई, चिकित्सकों ने मास्क 3
पहनना शुरू किया । 1897 /में ब्रेसलो विश्वविद्यालय पॉलेण्ड में सर्जन जोहान मिकुलिक्ज व 3¼
पेरिस में / सर्जन पॉल बर्गर ने वैसे मास्क पहना शुरू किया । 1910-11 के मंचुरियन प्लैग, 1918/- 3½
19 के स्पेनिश इंफ्लुएंजा ने स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं व मरीजों के बीच मास्क को ऑपरेशन कक्ष के 3¾
बाहर // संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी बना दिया । 2003 में चीन में सार्स का 4

प्रकोप व दक्षिण / एशियाई देशों में इसके प्रसार के साथ ही मास्क सड़कों पर दिखाना आम हो गए थे । हाल / के समय में विकासशील देशों में बढ़ते प्रदूषण ने शहरी क्षेत्रों में मास्क को चलन में ला दिया / । जैसे-जैसे मास्क का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, रिपोर्ट्स के अनुसार इनका दुनियाभर // में बाज़ार भी 2020-25 के बीच 12.6% सी ए जी आर से बढ़ने की उम्मीद है । मास्क / के कई विकल्प है । ऑनलाइन वीडियो देखकर घर पर बना सकते हैं । या डिस्पोजेबल, सुन्दर डिजाइंस / के साथ वॉशेबल, कई सतह वाले या दवा फिल्टर करने वाले मास्क खरीद सकते हैं । कुछ / ही महीनों में साधारण-सा मास्क फैशन स्टेटमेंट बन गया है । ये कपड़ों, मटेरियल या // अवसर से मैच किए जा सकते हैं ।

OFFICE COPY

किसी भी नए उत्पादन के साथ कई मुद्दे भी उठते / हैं । मास्क के साथ मुख्य समस्या इस्तेमाल के बाद इनके निष्पादन की है । पर्यावरणीय खतरे के / रूप में ये जमीन व पानी में हानिकारक माइक्रोप्लास्टिक फाइबर्स के रूप में लंबे समय तक बने / रह सकते हैं । हमारे लिए सबसे बेहतर विकल्प वॉशेबल मास्क है इसे उपयोग में लाना चाहिए । //

4½ 4¾ 5 5¼ 5½ 5¾ 6 6¼ 6½ 6¾ 7